(201HN21)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) आधुनिक काल का वर्गीकरण एवं सामाजिक प्रवृत्तियों की आलोचना कीजिए।

   (b) आधुनिककाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

2. (a) भारतेंदु युगीन साहित्य में व्यापक सौन्दर्योपासना एवं राष्ट्रप्रेम को समझाइए।

   (b) द्विवेदी युगीन हिन्दी गद्य विधाएँ एवं साहित्य प्रवृत्तियों की समालोचना कीजिए।

3. (a) प्रसाद युगीन काव्य में रहस्यवाद एवं प्राकृतिक सौन्दर्यचेतना पर प्रकाश डालिए।

   (b) प्रेमचंद युगीन उपन्यासों में व्यापक आदर्शवाद एवं यथार्थवाद की समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) हिन्दी नाटकों का उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

   (b) हिन्दी कविता का उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

2. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।
   - (i) हिंदी निबंधों का महत्व
   - (ii) छायावाद की विशेषताएँ
   - (iii) शुक्ल की रचना शैली
   - (iv) भीष्म साहनी की रचनाएँ

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।
   - (i) हिन्दी कहानी का उद्‌भव
   - (ii) प्रयोगवाद की विशेषताएँ
   - (iii) नंददुलारे वाजपेई की रचनाएँ
   - (iv) यशपाल का साहित्य

(202HN21)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester

Hindi

THEORY OF LITERATURE (WESTERN)

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) प्लेटो की काव्य प्रेरणा एवं अनुकृति का सैद्धांतिक विवेचन कीजिए।

   (b) अरस्तू के अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत की आलोचना कीजिए।

2. (a) लौंजाइन्स के उदात्त तत्व का सम्यक निरूपण कीजिए।

   (b) रिचर्ड्स के अनुसार काव्य में 'काव्य में मूल्य एवं संप्रेषण' की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) टी.एस. इलियट के काव्य संबंधी सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए।

   (b) मार्क्सवाद और साहित्य में उसके स्वरूप की रूपरेखा को प्रस्तुत कीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester

Hindi

THEORY OF LITERATURE (WESTERN)

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) अस्तित्ववाद का उद्‌भव, विकास और उसकी विशेषताओं को समझाइए।

   (b) काव्य के तत्व, प्रकार एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. (a) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिए।

   (i) कहानी के तत्व

   (ii) निबंध का स्वरूप

   (iii) नाटक के तत्व

   (iv) रेखाचित्र की रचना विशेषता

   (b) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिए।

   (i) उपन्यास के तत्व

   (ii) संस्मरण की रचना शैली

   (iii) यथार्थवाद

   (iv) गीति काव्य की विशेषताएँ

———————

(203HN21)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024

Second Semester

Hindi

MODERN POETRY

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) दिवस का अवसान समीप था।
गगन या कुछ लोहित हो चला।
तरु-शिखा पर थी अब राजती
कमलिनी-कुल-वल्लभ की प्रभा।।

(ii) जलधि में फूटें कितने उत्स
द्वीप, कच्छप डूबें-उतराएँ,
किन्तु वह खड़ी रहे दृढ मूर्ति,
अभ्युदय का कर रही उपाय।

(b) (i) 'यह है उपाय', कह उठे राय ज्यों मन्द्रित धन –
"'कहतीं थीं माता मुझे राजीव नन्दन।
दो नील कमल है शेष अभी, यह पुररचरण,
पूरा करता हूँ देकर मातः एक नयन।

(ii) चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर।
सिकता की सस्थित-सीपी पर,
मोती की ज्योत्स्ना रही विचर,
लो, पालें चढीं, उठा लंगर।

(c) (i) तीस कोटि संतान नग्न तन,
अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्र जन
मूढ, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन,
नत मस्तक तरु जल निवासिनी।

(ii) पुलकित स्वप्नों की रोमावली,
कर में हो स्मृतियों की अंजलि,
मलयाविल का चल दुकूल अलि!

(d) (i) जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेह हीन नित कितने दीपक,
जलमय सागर का उर जलता ;
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल!

(ii) मेरा पग पग संगीत भरा
स्वासों से स्वप्न पराग झरा
नभ के नव रंग बुनते दुकूल
छाया में मलय बयार पली।

2. (a) आधुनिक कविता का उद्‌भव एवं विकास के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(b) छायावाद और रहस्यवाद के अंतर स्पष्ट करते हुए, छायवाद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(203HN21)

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024

Second Semester

Hindi

MODERN POETRY

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) जयशंकर प्रसाद की काव्य वैशिष्ट्यता एवं अभिव्यंजना कौशल की समीक्षा कीजिए।

   (b) निराला के काव्य में प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद का समायोजन, शिल्पविधान की आलोचना कीजिए।

2. (a) पंत के समग्र साहित्य का सूक्ष्मालोचन कीजिए।

   (b) महादेवी की कविता में व्यापक जीवन की मार्मिकता, प्राकृतिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) प्रिय प्रवास की कथावस्तु

   (ii) श्रद्धा सर्ग का प्रतिपाद्य

   (iii) नौकाविहार की विशेषताएँ

   (iv) प्रसाद की जीवनी

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) प्रियप्रवास की उद्देश्य

   (ii) राम की शक्ति पूजा में प्रतीकात्मकता

   (iii) मैं नीर भरी दुःख की बदली की विशेषताएँ

   (iv) पंत की जीवनी

———————

(204HN21)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024

Second Semester

Hindi

LINGUISTICS

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) भाषा का अर्थ, परिभाषा, अभिलक्षण एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

   (b) भाषा विज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं शाखाओं का व्यापक परिचय दीजिए।

2. (a) संसार की भाषाओं का वर्गीकरण, एवं आकृति मूलक वर्गीकरण की विशेषताओं को समझाइए।

   (b) भाषा विज्ञान का उद्‌भव और इतिहास के विशेष ग्रंथों के महत्व समझाइए।

3. (a) ध्वनियों के वैज्ञानिक वर्गीकरण को प्रामाणित कीजिए।

   (b) ध्वनि का अर्थ, परिभाषा देते हुए, ध्वनियंत्र की रूपरेखा को प्रस्तुत कीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024

Second Semester

Hindi

LINGUISTICS

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) अर्थ विज्ञान के महत्व को समझाते हुए, अर्थ परिवर्तन की दिशाओं को स्पष्ट कीजिए।

   (b) शब्द की परिभाषा देते हुए, शब्दों के वर्गीकरण एवं प्रयोग की आलोचना कीजिए।

2. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।
   - (i) भाषा के विविध रूप
   - (ii) बर्नर के नियम
   - (iii) शब्द और रूप में अंतर
   - (iv) सर्वनामों के प्रकार

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।
   - (i) भाषा विज्ञान का महत्व
   - (ii) ग्रिव नियम
   - (iii) शब्द की अवधारणा
   - (iv) आज्ञावाचक एवं संकेतवाचक वाक्य

———————

(205HN21)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester

Hindi

SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR – DINAKAR

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) जलन हूँ, दर्द हूँ, दिल की कसक हूँ,
किसी का हाथ, खोया प्यारा हूँ मैं।
गिरा हूँ भूमि पर नन्दन-विपिन से,
अमर-तरु का सुमन सुकुमार हूँ मैं।

(ii) इस उजाड़ निर्जन खंडहर में
छिन्न-भिन्न उजडे इस घर में
तुझे रूप सजने की सूझी,
मेरे सत्यनाश प्रहर में।

(b) (i) विश्वमानव के हृदय निर्द्वेष में
मूल हो सकता नहीं दोहाग्नि का ;
चाहता लड़ना नहीं समुदाय है,
फैलतीं लपटें वैषैली व्यक्तियों की साँस से।

(ii) अहंकार के साथ घृणा का
जहाँ द्वन्द्व हो जारी ;
ऊपर शान्ति, तलातल में
हो छिटक रही चिनगारी।

(c) (i) तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जगमें प्रशस्ति अपना करतब दिखलाके।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक।

(ii) बाँधने मुझे तो आया है
जंजीर बड़ा कया लाया है?
यदि मुझे बाँधना चाहे मन,
पहले तो बाँध अनन्त गगन।
सूने को साध न सकता है,
वह मुझे बाँध कब सकता है?

(d) (i) सो सुख तो होगा, परंतु यह मही बडी कुत्सित है ;
जहाँ प्रेम की मादकता में भी यातना निहित है
नहीं पुष्प ही अमल, वहाँ फल भी जनना होता है,
जो भी करती प्रेम, उसे माता बनना होता है।

(ii) गृहिणी जाती हार दाँव संपूर्ण समर्पण करके,
जयिनी बनी रहती अप्सरा ललक पुरुष में भर के,
पर, कया जाने ललक जगाना नर में गृहनी नारी?
जीत गयी अप्सरा, सखी! मैं रानी बनकर हारी।

2. (a) आधुनिक हिन्दी कविता विकास में दिनकर की दार्शनिकता को समझाइए।

(b) दिनकर के काव्य में विद्रोही भावना, राष्ट्रीय चेतना एवं शिल्पविधान की आलोचना कीजिए।

(205HN21)

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, FEB 2024.

Second Semester

Hindi

SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR – DINAKAR

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) हुँकार कविता में चित्रित राष्ट्रीय अस्मिता, विषमताओं के प्रति विद्रोह के निरूपित कीजिए।

   (b) कुरुक्षेत्र में व्यापक शासकों का पलायनवाद, पूँजीपतियों का शोषण आदि की समालोचना कीजिए।

2. (a) रश्मीरथी में प्रतिपाद्य सामाजिक आचरण, छल–प्रपंच की समीक्षा कीजिए।

   (b) उर्वशी काव्य में श्रृंगार रस के उदात्त वैभव एवं पात्रों की परिकल्पना पर प्रकाश डालिए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) दिनकर के जीवनी

   (ii) हुँकार कविता का उद्देश्य

   (iii) कुरुक्षेत्र के पात्र

   (iv) रश्मीरथी कर्ण

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) दिनकर की रचनाएँ

   (ii) कुरुक्षेत्र की भाषा–शैली

   (iii) उर्वशी पात्र विशेषता

   (iv) हुँकार की वस्तु योजना

———————

(205HN21)